बर्षः- 05
अंकः- 351
मुरादाबाद
(Thursday)
16 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

तकनीक नहीं ले सकती संवेदनशीलता की जगह, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का युवा डॉक्टरों को संदेश

राष्ट्रपित द्रौपदी मुर्मू ने एम्स नागपुर के दीक्षांत समारोह में युवा डॉक्टरों से नवाचार, शोध और लगातार सीखने की अपील की। उन्होंने कहा कि तकनीक कितनी भी उन्नत हो जाए, वह करुणा, ईमानदारी और मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण की जगह नहीं ले सकती। राष्ट्रपित द्रौपदी मुर्मू ने नागपुर स्थित एमस के दूसरे दीक्षांत समारोह में युवा डॉक्टरों को नवाचार, शोध और सतत सीखने को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में नैतिक मूल्यों का सर्वोच्च स्थान है और कोई भी तकनीक मानवीय संवेदना की जगह नहीं ले सकती।राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि जिज्ञासा ही प्रगति की नींव है। चिकित्सा विज्ञान में नए समाधान खोजने

की प्रेरणा डॉक्टरों को न केवल बेहतर पेशेवर बनाएगी, बल्कि सेवा के अधिक अवसर भी प्रदान करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि डॉक्टरों में सेवा भावना के साथ-साथ आजीवन सीखने की प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए।मुर्मू ने स्पष्ट किया कि तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, वह करुणा, ईमानदारी और मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण का विकल्प नहीं बन सकती। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता बनाए रखें, यही आपको एक अच्छा डॉक्टर ही नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान भी बनाती है। उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य का जिक्र करते हुए कहा कि देश के बेटे-बेटियां मिलकर इस सपने को साकार करेंगे। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को मानवता की सेवा का विशेष अवसर मिला है, जिस पर उन्हें गर्व होना चाहिए और इसे संवेदनशीलता के साथ निभाना चाहिए।सरकार की स्वास्थ्य संबंधी पहलों का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन कल्याण आरोग्य योजना के तहत 43 करोड़ से अधिक हेल्थ कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिनमें प्रत्येक परिवार को पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर मिलता है। इसके अलावा, देशभर में 1.85 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित कर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया गया है। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने विश्वास जताया कि आज डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र न केवल अपने जीवन में सफलता हासिल करेंगे, बल्कि देशवासियों को स्वस्थ रखने में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से ही स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकेगा।

महिला आरक्षण का मायावती ने किया स्वागत, कहा- दलित व ओबीसी महिलाओं को अलग से दिया जाए आरक्षण

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि महिलाओं को राज्य विधानसभाओं व लोकसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले का बसपा स्वागत करती है। वहीं, इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस को जमकर निशाने पर लिया।बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि हम महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के निर्णय का स्वागत करते हैं लेकिन दलित और ओबीसी समाज की महिलाओं को अलग से आरक्षण दिया जाए। बसपा सुप्रीमो ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी पहले से ही महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 50 फीसदी आरक्षण देने की मांग करती रही है पर अब जब 33 प्रतिशत आरक्षण देने की बात की जा रही है तो हम इसका समर्थन करते हैं जिससे कुछ तो सुधार हो।उन्होंने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि जब कांग्रेस की सत्ता थी तो उन्होंने अलग से महिलाओं को आरक्षण देने की बात नहीं की थी और अब ऐसा करके इस सुधार पर रोक लगाना चाहते हैं। बसपा इस फैसले का समर्थन करती है। दलितों को लुभाने की कोशिश नहीं होगी कामयाब- मायावती ने कहा कि कल पूरे देश में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती मनाई गई। मैंने भी श्रद्धांजलि अर्पित कर उनको नमन किया। उन्होंने कहा कि बीते कुछ समय से दलितों को लुभाने के लिए विभिन्न राजनीतिक दल अपने कार्यक्रमों में नीले रंग का इस्तेमाल कर रहे हैं लेकिन दलितों पर सिर्फ बसपा के ही नीले रंग का प्रभाव होता है। इन दलों की ये कोशिश कामयाब नहीं होगी।

संक्षिप्त समाचार

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को प्रधानमंत्री मोदी का मिला संदेश; नीतीश-नितिन ने भी दी बधाई

बिहार में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को बधाइयों का सिलसिला चरम पर है। शपथ ग्रहण के समय पूर्व सीएम नीतीश कुमार ने कंधे पर हाथ रखकर बधाई दी। पीएम मोदी ने भी संदेश भेजा। बाकी दिग्गजों ने भी बधाइयां दीं। बिहार में पहली बार भारतीय जनता पार्टी का नेता मुख्यमंत्री बना है। बिहार भाजपा के नेताओं और सम्राट चौधरी के समर्थकों में खुशी की लहर है। पटना में सम्राट के समर्थकों ने जश्न मनाया। इधर सम्राट चौधरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर सम्राट चौधरी जी को बहुत-बहुत बधाई और ढेरों शुभकामनाएं। उनकी ऊर्जा, जनसेवा के प्रति समर्पण और जमीनी अनुभव राज्य के लिए बेहद उपयोगी साबित होने वाला है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उनके कुशल नेतृत्व में जनता-जनार्दन की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए बिहार चौतरफा विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा। नरेंद्र मोदी ने जदयू कोटे से डिप्टी सीएम बने गए दोनों नेताओं को शुभकामना संदेश देते हुए लिखा कि बिहार के उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले विजय कुमार चौधरी जी और बिजेंद्र प्रसाद यादव जी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। मुझे पूरा भरोसा है कि इनका जमीनी अनुभव और जनहित को लेकर प्रतिबद्धता बिहार के विकास को नई दिशा और गति देगी।

ऐसे सशक्त और स्वस्थ बनेगा भारत : एक पेड़ मां के नाम से पानी बचाने तक, PM ने देशवासियों को गिनाए नौ संकल्प

सशक्त भारत के लक्ष्य के साथ पीएम मोदी ने कर्नाटक के मांड्या से देशवासियों को नौ संकल्पों का संदेश दिया। एक पेड़ मां के नाम, जल संरक्षण, स्वच्छता, वोकल फॉर लोकल और घरेलू पर्यटन जैसे कदमों को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर इन संकल्पों को ईमानदारी से लागू किया गया, तो विकसित भारत का सपना तेजी से साकार हो सकता है।देश को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा संदेश देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता के सामने नौ मजबूत संकल्प रखे हैं। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम से लेकर पानी बचाने, फिटनेस अपनाने और स्वदेशी को बढ़ावा देने तक एक-एक कर इन नौ संकल्पों को देशवासियों से

अपनाने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा कि अगर लोग इन संकल्पों को ईमानदारी से अपनाएं, तो विकसित कर्नाटक और विकसित भारत का सपना जल्दी पूरा हो सकता है।अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने जिन बातों पर जोर दिया, उनमें पानी बचाना, बेहतर जल प्रबंधन, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पेड़ लगाना, साफ-सफाई रखना, वोकल फॉर लोकल अपनाना और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने जैसी बातें शामिल है। बता दें कि ये बात उन्होंने बुधवार को कर्नाटक के मांड्या में एक संबोधन के दौरान कही। पीएम मोदी ने बताए नौ संकल्प, आप भी जानिए अपने संबोधन में पीएम नरेंद्र मोदी ने लोगों से नौ महत्वपूर्ण संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज और देश को मजबूत बनाने के लिए हर नागरिक को मिलकर जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने जो नौ सुझाव दिए, वे इस प्रकार हैं- पानी बचाने और उसका सही उपयोग करने का संकल्प लें। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पेड़ लगाएं और धरती माता की रक्षा करें। धार्मिक स्थानों, गांवों और शहरों में साफ-सफाई बनाए रखें। वोकल फॉर लोकल अपनाकर देश के उत्पादों को बढ़ावा दें। अपने देश के अलग-अलग हिस्सों की यात्रा करें और घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दें। प्राकृतिक खेती को अपनाएं और बढ़ावा दें।` और तेल के सेवन में लगभग 10त्न कमी करें ताकि स्वास्थ्य बेहतर रहे। योग और खेल को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। जरूरतमंद लोगों की मदद करें, जिससे समाज और मजबूत बने। प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि ये सभी संकल्प देश को आत्मनिर्भर, स्वस्थ और सशक्त बनाने में मदद करेंगे।

अखिलेश यादव बोले- महिला आरक्षण के बहाने ध्यान भटकाने की कोशिश में भाजपा, इनकी मंशा ठीक नहीं

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार महिला आरक्षण के बहाने मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। सरकार की मंशा आरक्षण देने की नहीं है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को मुसाफिरखाना में भाजपा सरकार पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। एक दिवसीय दौरे पर सुल्तानपुर जाते समय उन्होंने महिला आरक्षण, महंगाई, बेरोजगारी और कानून व्यवस्था जैसे विषयों पर सवाल उठाए।उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा महिला आरक्षण लागू करने की नहीं दिखती। क्षेत्र निर्धारण और सीटों का स्पष्ट ब्योरा सामने नहीं आया है। जनगणना पूरी नहीं होने का भी जिक्र किया। उनका कहना रहा कि अन्य मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए इस विषय को उठाया जा रहा है। महिलाओं की सुरक्षा

पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि स्थिति संतोषजनक नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि प्रदेश और देश की स्थिति बिगड़ रही है। उन्होंने संविधान के मूल सिद्धांतों की चर्चा करते हुए अधिकारों की रक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रतीकात्मक कदमों से सम्मान नहीं बढ़ता, अधिकार सुनिश्चित होने से सम्मान मिलता है। उन्होंने आर्थिक मुद्दों पर भी बात रखी। महंगाई और बेरोजगारी में बढ़ोतरी का जिक्र किया। नोटबंदी के बाद भ्रष्टाचार बढ़ने का आरोप लगाया। पत्रकारों पर कार्रवाई का भी उल्लेख किया। नोएडा में श्रमिकों के विरोध का हवाला देते हुए कहा कि श्रमिकों की मांगों पर ध्यान देना जरूरी है। इस दौरान मुसाफिरखाना स्थित छाया पब्लिक स्कूल के सामने उनका स्वागत किया गया। सपा नेता जयसिंह प्रताप यादव समर्थकों के साथ मौजूद रहे। अखिलेश यादव ने वाहन रोककर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और उनसे बातचीत की। स्थानीय लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिनके समाधान का भरोसा दिया गया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन स्तर पर सक्रिय रहने का आह्वान किया और 2027 विधानसभा चुनाव में पार्टी को मजबूत बनाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान जयसिंह प्रताप यादव ने भादर ब्लॉक में अंबेडकर प्रतिमा हटाए जाने का मुद्दा भी उठाया। इस मौके पर कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता उपस्थित

टाटा संस ने लॉन्च किया 10 लाखवां वाहन, सीएम योगी बोले- निर्यात का हब बनकर उभर रहा यूपी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टाटा संस के 10 लाखवें वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने टाटा के देश के विकास में किए गए योगदान को लेकर सराहना की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपने 34 वर्ष की शानदार यात्रा के दौरान टाटा मोटर्स के लखनऊ प्लांट से 10 लाखवें वाहन को लांच किया गया। 10 लाखवें वाहन की लॉन्चिंग केवल एक प्लांट के उत्पादन की ही उपलब्धि नहीं है बल्कि सप्लाई के लिए यूपी के ग्लोबल हब बनने का सूचक है। यह उड़ान रुकने के लिए नहीं है बल्कि आसमान की ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए है। मुख्यमंत्री योगी बुधवार को टाटा संस के 10 लाखवें वाहन को लॉन्च करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने

कहा कि उत्तर प्रदेश में 25 करोड़ की आबादी और 56 फीसदी वर्कफोर्स है। इसका प्रभाव कागजों से बाहर आकर जमीन पर भी देखने को मिल रहा है। टाटा मोटर्स में बनने वाली बसों में हमने बचपन से यात्राएं की हैं। लोगों ने टाटा का मतलब ट्रस्ट के साथ जोड़ा है। सुई से लेकर हवाई जहाज तक हर क्षेत्र में टाटा समूह भारत को सशक्त बनाने के अभियान में लगातार आगे बढ़ रहा है। टाटा का निवेश केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है बल्कि उत्तर प्रदेश को एक नई ऊंचाई तक पहुंचाने का समझौता है।पहले तमाम चुनौतियां थीं कि कनेक्टिविटी अच्छी नहीं थी। संसाधन कम थे। यह तय कर पाना कठिन होता था कि सड़क है या गड्ढा है। सुरक्षा का संकट था। न तो नियत साफ थी और ना ही कोई नीति थी। परिणाम ये था कि लोग निवेश करने से डरते थे। आज भारत के कुल एक्सप्रेसवे का 55 फीसदी एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश में है। गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण इसी महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होगा। 600 किलोमीटर का एक्सप्रेसवे बनने के बाद देश के कुल एक्सप्रेस वे में उत्तर प्रदेश का योगदान 60 फीसदी हो जाएगा। आज से 9 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश में केवल दो एयरपोर्ट थे और वो भी बंद पड़े थे। आज 16 एयरपोर्ट पूरी तरह क्रियाशील हैं। पिछले महीने भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया।

दिल्ली छीन रही जनता से वोट देने का अधिकारःCM ममता ने बंगाली नववर्ष पर लोगों को दी बधाई, केंद्र पर किया हमला

बंगाली नववर्ष के मौके पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोगों को बधाई और केंद्र सरकार की नीतियों का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने की अपील की। उन्होंने भाईचारे और सद्भाव बनाए रखने पर जोर देते हुए आगामी चुनावों में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों को समर्थन देने का आह्वान किया।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने बंगाली नववर्ष के खास मौके पर राज्य के लोगों से बड़ी अपील की है। उन्होंने लोगों से केंद्र सरकार

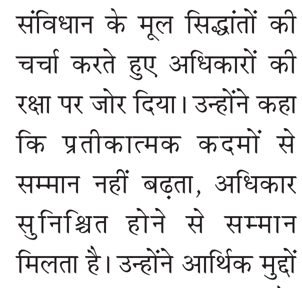

की मनमानी का विरोध करने और बंगाल की आपसी भाईचारे की परंपरा को बनाए रखने को कहा। राज्य के लोगों को बंगाली नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लिखा कि नए साल की इस सुबह में हर किसी का जीवन दुखों से मुक्त हो। उन्होंने कामना की कि इस नई पुकार के साथ हर इंसान का मन पवित्रता से भर जाए।इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए केंद्र सरकार पर जनता के वोट देने के अधिकार को कम करने का आरोप लगाया। उन्होंने नागरिकों से कहा कि वे इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से दें। ममता ने कहा कि हमारा बंगाल कला और संस्कृति का केंद्र होने के साथ-साथ सभी धर्मों के बीच सद्भाव की धरती भी है।

संपादकीय Editorial

Forgive us, daughter.

The brutal murder of a 19-year-old student has filled the atmosphere of Himachal with apprehension, fear, and anger. This innocent girl, heading to Sarkaghat College, was taken so far away from the embrace of society, the state's attention, and the paths of law and order that now the brutality of the murderer and the state's regret are being recognized. This is not just a sadness of the reasons, but also the fault of our upbringing and the broken mirror of society. The hell of these very reasons that we have turned our children into masters of frolicking, mobile phones, and autocratic intentions, is staring us in the face. The landscape of death there reveals not just a murderer or an innocent victim, but also the mournful scene of the state's hustle and bustle and personal competition. We have chosen dead cities and dead settlements around us. We cannot hear your screams amidst our noise; this is a modern-day costume, we cannot see the torn skin. We are so lost in selfishness that neighborhoods collapse before us. Is this the pinnacle of degradation, or have we become armed with a power unconcerned with law and order? Now, crime is on the rise in Himachal. Somewhere, the parents of a daughter might be sobbing, or Sarkaghat might be weeping with multiple wounds. But why on this very land did a parent's son become a murderer? Why did a hoe, tried on in agriculture, become the killer of someone's daughter? It's a different matter that some young people prevented the murderer from escaping, and the jungles slandered him. Otherwise, silence has begun to emerge around us and around law and order. We fail to understand that the state must step up its law and order vigil and adopt a new era of vigilance. Stop thinking that Himachal has always been innocent, decent, and honest. Our eyes are murderous, and the glares of wealth are frightening. A state where only political discussions take place. Where community spirit has vanished. Where relationships are being fought in the courts, and everything is justified in the pursuit of showmanship, schools and colleges are merely garages where we park our children. Where the supply of drugs is a network, addiction will destroy the entire state's reputation. These children, who have become the rudders of unruly behavior, will only burn our boats, carrying themselves. Just calculate how many youth in the state we have entrusted to the reckless traffic. What etiquette have we taught these people who ride two-wheelers or Thar cars in groups? Surprisingly, the police in Himachal Pradesh shy away from traffic control, so you can find young people performing stunts without helmets on every road. The other aspect is the increasingly naked and ugly politics here, where youth are now considered mere votes. Third, the fault lies in the policies, which often render the system unruly. Every 24 hours, the graph of Himachal's ugliness reveals either the wounds of death on the roads or the cremation grounds of drug overdoses. We must once again repair ourselves, society, and law and order. Amidst all the ironies, the state must first increase its responsibility towards its future generations, otherwise, amidst the songs of progress, a flood of tears will descend upon our existence like a cross. The sighs of the unfortunate Sarkaghat incident are awakening our dormant sensibilities.

Sinauli: The Greatest Archaeological Discovery of the 21st Century

The human burials at Sinauli have another unique feature, discovered only during the 2018 excavations. The bodies buried here were placed in wooden coffins and buried. Archaeology holds the only path to uncovering the mysteries of India's glorious past. Archaeological excavations have time and again highlighted the glorious pages of Indian history on the world stage. An archaeological discovery in the second decade of the current century captured the attention of not only India but the entire world. The archaeological remains unearthed in 2018 from the village of Sinauli in Baghpat district, located on the banks of the Yamuna River, approximately 70 kilometers from the capital, Delhi, completely transformed the perspective on Indian history. Although the Sinauli excavation was also conducted by the Archaeological Survey of India in 2004-2005, the archaeological finds recovered in the excavation conducted in 2018 under the leadership of the department's Additional Director General, Dr. Sanjay Kumar Manjul, were never found in India before. Treasures from Sinauli - 116 human burials dating back 4000 years (this date is based on carbon dating) have come to light at this archaeological site. The artifacts found with these burials are unique in themselves. The most important treasure recovered from Sinauli is a horse-drawn chariot made of wood and copper. This is the first time that chariot remains have been found during excavation on Indian soil. It is noteworthy here that chariots have a special place in the ancient texts of India. A total of 3 chariots were found in the excavation. These chariots were made using highly advanced technology and are a symbol of ancient Indian knowledge. These chariots were buried along with human tombs. In fact, the humans in the tombs were the owners of these chariots. Along with the chariots, we have also recovered copper swords from the tombs of Sinauli. In archaeological parlance, these swords are called "shringika" swords or "antenna swords." From one burial at Sinauli, we even recovered the remains of a wooden bow. It is noteworthy that the skeletons buried include both men and women. A variety of antiquities were found alongside these skeletons. Shields used in warfare were also recovered from some burials, made from wood and copper. Sinauli also yielded the first helmet worn by warriors. This, too, was buried alongside the body and is made of copper. The antiquities found alongside the human skeletons undoubtedly provide irrefutable evidence that the ancestors of the Indians living in Sinauli belonged to the warrior class. Furthermore, the swords and other antiquities found alongside the female skeletons provide evidence that women's social status in ancient India was equal to that of men. Ancient Hindu texts also mention this. There are ample accounts available of women being warriors. Human burials found during excavations - The human burials at Sinauli have another unique feature, discovered only during the 2018 excavations. The bodies buried here were placed in wooden coffins. The wood of the coffins has decayed over time, but the ornamentation using copper and steatite on the wooden surface confirms that the bodies were placed in four-legged wooden coffins. The upper surface of one of these coffins bears the faces of nine humans carved using copper. A crown with two horns and a peepal leaf adorns these faces. This may have served a religious purpose. In addition to copper tools, a variety of antiquities have been recovered from the Sinauli burials. Along with the deceased, food items, beads, and bone arrowheads were also buried in earthen pots. Near the Sinauli burial site A sacred chamber made of baked bricks was found, possibly with a wooden roof. It appears that bodies were brought to this chamber before burial, and final rituals were performed there. The 2005 excavations at Sinauli did not yield evidence of a residential area. In 2018, we also recovered remains of pottery furnaces and copper smelting furnaces from Sinauli. Furthermore, a large number of baked bricks measuring 50 cm long and 30 cm wide were also recovered from Sinauli. These artifacts have made it clear that the people living in Sinauli lived here permanently. The Saraswati-Indus civilization holds an important place in Indian history. The artifacts recovered from the excavations at Sinauli are completely different from the Saraswati-Indus civilization. Surveys conducted by archaeologists in recent years have revealed the possibility that the existence of the Saraswati-Indus civilization may have been a factor in the Ganga-Yamuna Doab. 4000 years ago, a culture distinct from the Saraswati-Indus Valley Civilization existed, which requires further research. Scientific research is underway on the archaeological remains recovered from Sinauli. According to the excavators, the DNA of the skeleton from Sinauli is identical to that of the 4500-year-old skeleton found at Rakhigarhi. It appears that the archaeological remains from Sinauli and the DNA report will soon dispel the myths spread about Indian history. There is a strong possibility tha

The path to a deal is not easy: A gamble based on misplaced expectations could backfire on Iran.

The problem is that the US wants to pick up where it left off before the war, but Iran now wants to start anew. Secondly, Iran also wants to overestimate its strength, which could backfire, given its heavy losses in the war so far. Despite twenty-one hours of negotiations, the talks between the US and Iran in Islamabad on the West Asia crisis ended inconclusively, and US Vice President J.D. Vance returned to the US. Both sides have issued statements regarding the failure of the talks. US Vice President J.D. Vance said, "We have made our limits clear. Iran has refused to accept our conditions. We are leaving with a very simple proposal, which is our final and best offer. We will see if the Iranians accept it." On the other hand, Iranian state media has stated that "During negotiations with the US, Iran repeatedly put forward its proposals and tried to bring the US side to reality. However, America's excessive demands at every level hindered reaching a common framework. The talks ended without any result due to the lack of flexibility in the US stance." Clearly, the first round of negotiations, while inconclusive, has just concluded. This does not mean that there will be no further talks between the two countries. It would also be premature to say that war will immediately resume with the same ferocity as feared. Perhaps we should wait a day or two to see what happens next. The reports so far suggest that some progress has been made in the first round of negotiations, but others remain impediments. These obstacles were inevitable, as the US believes it has won the war and defeated Iran so badly that it can impose its arbitrary conditions on Iran. Iran, on the other hand, believes it has weathered the American attack, emerged stronger, and gained a strategic advantage that could force the US to agree to its demands. Iran believes the US is too eager for a ceasefire, and if one side is too eager for a compromise, the other side gains a significant advantage. Two or three things are essential for ending any war. First, one side must have emerged victorious with such a decisive victory and the other side must be so completely defeated that it can impose its terms on the other. Second, if this is not the case, but both sides have fought a fierce war that has left both sides devastated, then they may become exhausted and agree to a compromise. Third, both sides must come to their senses and find a middle ground. The problem here is that there seems to be no middle ground, as Iran is demanding many things that were never on the negotiating table before, such as the Strait of Hormuz, its dominance in that region, the lifting of sanctions and compensation, and a guarantee of future non-attacks not only on Iran but also on its allies. These are all issues that were not part of the negotiations before. The problem is that before this war, some points were being agreed upon in the talks between the US and Iran, yet the US attacked Iran. Now, as reports are coming in, although they are not yet confirmed, the US wants the talks to resume from the same points agreed upon before the war. It seems strange that the same things that were being discussed before the attack are still being discussed after the attack, because the US has already done everything it could. Now, if he wants to return to negotiations, Iran will naturally want to negotiate on its own terms. This is the root cause of the failure of the first round of talks. It remains to be seen whether war resumes in the next day or two, or whether both sides adhere to a two-week ceasefire. If war doesn't resume, or if it does, it remains limited to minor attacks, and the movement of ships through the Strait of Hormuz continues, albeit in limited numbers, and both sides attempt to restart negotiations behind the scenes and show flexibility in their positions, it is very possible that this crisis will be resolved. This means two things: first, that war doesn't resume, talks should be brought back on track, and agreement can be reached on some, if not all, issues. Second, there is the fear that war could break out again. The problem with agreement is that the US wants to resume negotiations from where it left off before the war, while Iran now wants to start anew. The second problem is that Iran also wants to bet beyond its strength, which in English is called "overplaying your hand," meaning playing with false expectations. This could backfire for Iran, as Iran has suffered heavy losses in the wars it has fought so far. The US wants to reach a compromise, but the terms it seeks seem unlikely. If the US starts another war, Iran will undoubtedly suffer greatly, but the losses will not be Iran's alone, as Iran still possesses the capabilities to disrupt the Gulf region's gas and oil infrastructure. It could wreak havoc. Therefore, the path to a solution is not easy. Another danger that appears is that Pakistan, which has so far remained outside this war, may also join Saudi Arabia. If this happens and Pakistan takes any action against Iran, it is feared that Iranian missiles will once again fall on Pakistan. This will further expand the scope of the war. The result will be that Iran will be so devastated that it will be difficult for it to keep its empire united. If this happens, not only will Iran be destroyed, but the rest of the Gulf region will also be destabilized.

चलती एक्सप्रेस ट्रेन से बदमाशों ने व्यापारी के कर्मचारियों से सात लाख लूटे

चलती ट्रेन में व्यापारी के कर्मचारियों से बदमाशों ने गन प्वाइंट पर दिन-दिहाड़े 7 लाख रुपए लूट लिए। साथ ही हवाई फायरिंग करते हुए बदमाश ट्रेन से ही कूदकर भाग गए। उधर, घटना से आरपीएफ व जीआरपी यूपी-उत्तराखंड में हड़कंप मच गया। टीमों ने घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण कर मामले की जांच पड़ताल की। रुद्रपुर उत्तराखंड के मोहल्ला सिंह कॉलोनी निवासी मंदीप सिंह मोहल्ले में ही स्पेयर पार्ट्स की दुकान चलाते हैं। उनके अनुसार उनकी दुकान पर मोहल्ला जाफरपुर निवासी रितिक मंडल और मोहल्ला आवास विकास कॉलोनी निवासी साहब सिंह कार्य करते हैं। उन्होंने बताया कि बुधवार की सवेरे दस बजे उनकी दुकान के दोनों कर्मचारी करीब सात लाख रूपए की नकदी लेकर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस ट्रेन से दिल्ली जा रहे थें। बताया जाता है कि स्थानीय रेलवे स्टेशन से एक किलोमीटर पहले आनंदनगर के मझरे के पास तीन बदमाशों ने गन प्वाइंट पर दोनों कर्मचारियों से चलती ट्रेन में करीब सात लाख रुपये लूट लिए। बाद में तीनों बदमाश तीव्र मोड़ पर जैसे ही ट्रेन स्टेशन के धीमी हुई तो, हवाई फायरिंग करते हुए फरार हो गए।दूसरी ओर दोनों नौकरों ने उनके साथ हुई घटना के संबंध में जानकारी व्यापारी को देने के साथ ही पुलिस को भी अवगत कराया।जिससे पुलिस में खलबली मच गई।साथ ही सूचना पर रूद्रपुर-रामपुर की (आरपीएफ) रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स भी मौके पर पहुंच गई। बाद में पीड़ितों तथा व्यापारी से वार्ता कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की। इसके पश्चात फोर्स ने पीड़ितों के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया। साथ ही जंगल में कांबिंग किए जाने के बावजूद भी बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग सका। वहीं असिस्टेंट कमांडेंट मोहम्मद शारिक खान रेलवे स्टेशन पहुंचे। जहां पर उन्होंने टीम के सदस्यों से वार्ता कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

फर्जीवाड़ा कर दौड़ रहे वाहनों पर लगेगा भारी टैक्स व जुर्माना

मुरादाबाद । परिवहन विभाग द्वारा वाहनों की डिजिटल व्यवस्था को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से संचालित यूपीआईएसवीएमपी पोर्टल पर वाहनों के दस्तावेज अपलोड किए जा रहे हैं। ऐसे में बड़ी अनियमितताएं सामने आने पर वाहन स्वामियों को बड़े अर्थिक और कानूनी दंड प्रक्रिया से होकर गुजरना पड़ेगा। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन संदीप कुमार पंकज ने बताया कि विभागीय जांच में अब तक यूपीआईएसवीएमपी पोर्टल पर दर्ज करीब 650 वाहनों की डिटेल अपलोड हो चुकी है। इनमें कुछ खत्म हुए और बिना फिटनेस व बिना टैक्स जमा किए वाहनों के अपूर्ण दस्तावेज भी सामने आए हैं। जिसमे विभाग की ओर से कार्रवाई की तैयारी सत्यापन पूर्ण होने के बाद की जाएगी। जांच रिपोर्ट के अनुसार कई वाहनों के रजिस्ट्रेशन, फिटनेस, बीमा, परमिट एवं अन्य आवश्यक कागजात या तो गलत पाए गए हैं या उनमें छेड़छाड़ की गई है। इसे गंभीर धोखाधड़ी मानते हुए परिवहन विभाग ऐसे वाहन स्वामियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने की तैयारी में है। उन्होंने बताया कि जिन वाहनों के दस्तावेज सत्यापन में फर्जी या संदिग्ध पाए जाएंगे, उन पर नियमानुसार भारी टैक्स वसूला जाएगा। इसके साथ ही पेनल्टी (जुर्माना) भी लगाया जाएगा, जो वाहन की श्रेणी और उल्लंघन की गंभीरता के आधार पर तय किया जाएगा। इतना ही नहीं, संबंधित वाहन स्वामियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी, जिसमें मुकदमा दर्ज होने से लेकर वाहन सीज किए जाने तक की कार्रवाई शामिल हो सकती है। यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि परिवहन व्यवस्था को पूरी तरह से पारदर्शी, सुरक्षित और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की दिशा में एक सख्त कदम है। विभाग द्वारा सभी अपलोड किए गए वाहनों का चरणबद्ध तरीके से सत्यापन किया जाएगा और आगे भी यह प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी। साथ ही किसी भी प्रकार की लापरवाही या फर्जीवाड़ा पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई तय है। विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ कानूनी दंड भी भुगतना पड़ेगा।

गर्मी बढ़ते ही पेट दर्द और उल्टी-दस्त के मरीजों की संख्या बढ़ी

मुरादाबाद ।जिले में बढ़ती गर्मी के साथ ही बीमारियों का वार भी तेजी से हो रहा है। जिला अस्पताल में इन दिनों पेट दर्द, उल्टी-दस्त और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। निजी अस्पतालों में भी यही स्थिति बनी हुई है। आलम यह है कि अस्पतालों में ऐसे मरीज प्रतिदिन बड़ी संख्या में इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।

चिकित्सकों के अनुसार तापमान बढ़ने से शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) तेजी से हो रही है। साथ ही सड़क किनारे मिलने वाले जूस, कटे हुए फल और दूषित पानी के सेवन से संक्रमण फैल रहा है, जिससे उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायतें बढ़ रही हैं। जनरल फिजिशियन डॉ. आशीष कुमार ने बताया कि गर्मी में लापरवाही बरतने से लोग तेजी से बीमार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाहर का खुला और अस्वच्छ भोजन करने से पेट संबंधी संक्रमण बढ़ रहा है। लोगों को अधिक से अधिक पानी पीना चाहिए और ताजे व स्वच्छ भोजन का सेवन करना चाहिए।

वहीं, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एके सिंह ने बताया कि बच्चों में भी बुखार, उल्टी-दस्त और पेट दर्द के मामले तेजी से सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को बाहर का खाना और ठंडे पेय पदार्थ देने से बचें। उन्हें पर्याप्त पानी और घर का बना हल्का भोजन देना जरूरी है। इसके अलावा हृदय रोगियों में भी परेशानी बढ़ी है। अस्पताल में कई मरीज बेचैनी और घबराहट की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि गर्मी में दिल के मरीजों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।

त्वचा रोग विशेषज्ञ के अभाव में मरीज परेशान- जिला अस्पताल में इन दिनों त्वचा रोग से पीड़ित मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। घमौरियां, खुजली और एलर्जी जैसी समस्याओं को लेकर लोग अस्पताल पहुंच रहे हैं, लेकिन यहां त्वचा रोग विशेषज्ञ न होने के कारण मरीजों को इंटर्न डॉक्टरों के भरोसे रहना पड़ रहा है। इससे मरीजों को समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है और कुछ मरीजों को आराम न मिलने पर निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है।

धूमधाम से निकाली 135 वी अम्बेडकर शोभा यात्रा, झांकिया बनी आकर्षण का केन्द्र

क्यूँ न लिखूँ सच / ठाकुरद्वारा। 135 वीं डा0 भीमराव अम्बेडकर जयंती पर नगर व देहात क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। नगर जयंती पर शोभा यात्रा परंपरागत तरीके से अम्बेडकर पार्क से शुरू हुई । कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकाली गई शोभा यात्रा में झांकिया आकर्षण का केन्द्र बनी रही।

शोभायात्रा का शुभारंभ पालिका अध्यक्ष इरफान सैफी, व अजय यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष नारायणी सेना न सयुक्त रूप से शुभारंभ किया। 135 वीं अम्बेडकर जयंती पर शोभा यात्रा से पूर्व कांशीपुर चुंगी स्थित अम्बेडकर पार्क पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पालिकाध्यक्ष इरफान सैफी, अजय यादव ने बाबा साहब के जन्म की हार्दिक बधाई देते हुए बाबा साहब के बताए मार्गो पर चलने का आहवान किया। इसके बाद गत वर्षो की भांति नगर में डॉ0 भीमराम अम्बेडर जयंती पर निकालने वाले विशाल शोभायात्रा मंगलवार को नगर के अम्बेडकर पार्क से शुरू हुई ।शोभा यात्रा नगर के मोहल्ला गिलोवाला मस्जिद चौराहा , रामलीला चौराहा, बड़ा बाजार, कोतावाली चौराहा, गंज बाजार, बुध बाजार, तिकोनिया बस स्टैंड से होती हुई शोभा यात्रा वापस अम्बेडकर पार्क पर पहुंचकर संपन्न हो गई। शोभा यात्रा में शामिल बाबा साहेब डा0. भीमराव अम्बेडकर , चन्द्र शेखर आजाद सहित अन्य झाकियां विशेष आकर्षण का केन्द्र बनी रहीं। बाद में अम्बेडकर पार्क में सभा का आयोजन किया गया। इसमें बाबा साहेब संविधान निर्माता के जीवन पर प्रकाश डाला गया। शोभा यात्रा में शिवराम सिंह, डा0 रामपाल सिंह गौतम शिवकिशोर, कालू सिंह गौतम राजेंद्र सिंह ,शेर सिंह सागर राकेश सागर रोहित सिंह, धर्मेन्द्र जाटव अर्जुन चेतन, गौतम सागर प्रदीप जाटव, रोहित गब्बर, रंजीत कुमार, सुशील सागर सोनू जाटव ,अंकित सागर,अनुराग सागर,अंकुल कुमार, धर्मवीर , शोभित जग्गा, राहुल , राजू (जय सिंह), श्योराज सिंह सभासद वार्ड 03, अर्जुन सागर पूर्व जिला पंचायत सदस्य, मोहित जग्गा, कपिल, अंचल, सुधीर कुमार, अतुल कुमार, जयप्रकाश भगत जी, सुभाष जुम्मा, नितिन सिंह, सचिन कुमार, जस्सी क्थ, टिंकू क्त्र, आशीष कुमार, विवेक जाटव, कार्तिक जाटव, अनूप कुमार, गौरवच जाटव, ईश्वर सागर, मोहित (सभासद पुत्र), आदित्य (सभासद पुत्र), सुशील सागर, तरूण सागर, प्रिन्स कुमार, विशाल जाटव, बिट्टू चौहान, रोमेश, ऋषभ, योवांग (छोटू), राजू, अंशुल कुमार, शिवोम सागर,रविप्रकाश, धर्मेन्द्र सागर आदि मौजूद रहे।

गेहूं की मशीन की चपेट में आने की युवक की दर्दनाक मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / मूंढापांडे। क्षेत्र के गांव में मंगलवार की रात गेहूं निकालने की (थ्रेशर) मशीन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई। युवक की मौत होने के गांव में मातम पसरा गया। सूचना पाकर पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई थी। वहीं स्वजनों ने पुलिस कार्यवाही से इंकार कर दिया। मूंढापांडे के गांव चतरपुर नक्टा खेड़ा निवासी राजीव पुत्र मित्रपाल (30) बर्ष अपने मौसा अमर सिंह के टैक्टर पर गेहूं की निकासी पर मजदूरी करता था। मंगवार की रात मृतक राजीव अपने चाचा के गेहूं निकलवाने के गया था। प्रत्यक्षदर्शी के रामबाबू के मुताबिक गेहूं निकलने के बाद टैक्टर को बंद कर दिया था। मशीन के अधिक चक्कर होने के कारण मशीन चलती रही। इस दौरान राजीव (कटर) मशीन की सफ़ाई करने के लिए उसके ऊपर चढ़ गया और मशीन का ढक्कन खोल दिया। राजीव की शर्ट चलती मशीन की चपेट में आ गई। जिससे मशीन ने राजीव को अंदर खींच लिया। जिसमें राजीव की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक राजीव के परिवार में पत्नी कुशम ,बड़ी बेटी आराध्य और एक छोटा बेटा जतिन है। राजीव मेहनत मजदूरी कर परिवार का लालन-पालन करता था। गेहूं की फसल में मृतक राजीव खाने के लिए गेहूं इकठ्ठा करने के लिए (थ्रेसर) कटर मशीन पर किसानों के गेहूं निकलवाने का काम करता था। राजीव के मौत से स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मूंढापांडे थाना प्रभारी मोहित चौधरी ने चौकी बताया परिजनों की ओर से कोई शिकायती पत्र नहीं मिला है। दूसरी ओर स्वजनों ने भी पुलिस कार्यवाही से इंकार किया है। राजीव को देखने के लिए गांव की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं गांव में राजीव की मौत से मातम पसरा गया।

अधूरी रह गई बाबा साहब के जन्मोत्सव के धूमधाम की तैयारियां

गांव में 14 अप्रैल को भारत रत्न समाज सुधारक बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर के जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाने की तैयारी लगभग मुकम्मल हो चुकी थी। गांव में हर्षौल्लास का माहौल था। लेकिन ,राजीव की अचानक दर्दनाक मौत ने स्वजनों को ही नहीं गांव के लोगों को भी गहरी पीड़ा दी है। राजीव की मौत से बाबा साहब की जन्मोत्सव के धूमधाम की तैयारी अधूरी की अधूरी रह गई और गांव में ग़म का माहौल बना हुआ है। मृतक राजीव के घर पहुंच गांव के लोग स्वजनों का ढांढस बंधा रहे है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

स्वार में गैस किल्लत बरकरार, लंबी कतारों के बाद भी नहीं मिल रहे सिलिंडर

स्वार। नगर और ग्रामीण क्षेत्र में रसोई गैस की किल्लत बनी हुई है। उपभोक्ता परेशान हैं। सुबह से शाम तक लाइन में लगने के बाद भी कई लोगों को सिलिंडर नहीं मिल पा रहे हैं। मंगलवार को बथुआखेड़ा, नरपतनगर और पुसवाड़ा एजेंसियों पर गैस की एक-एक गाड़ी पहुंची, जबकि उपभोक्ताओं की कतारें लंबी रहीं। कुछ ही घंटों में सिलिंडर खत्म हो गए और कई लोगों को मायूस होकर लौटना पड़ा।मंगलवार को स्वार इंडेन गैस एजेंसी पर गाड़ी नहीं पहुंची, जिससे गैस लेने आए उपभोक्ताओं को वापस लौटना पड़ा। इससे पहले सोमवार को छह दिन बाद गाड़ी आई थी। बथुआखेड़ा इंडेन ग्रामीण वितरक पर सुबह से ही लंबी कतार लग गई। तेज धूप में घंटों इंतजार करने के बाद भी जब सिलिंडर नहीं मिला तो लोग निराश होकर घर लौट गए।लाइन में लगे उपभोक्ता रामकुमार ने बताया कि वह सुबह से कतार में खड़े हैं लेकिन सिलिंडर खत्म हो गए। वहीं हरिओम, मोहम्मद अनस और सतीश कुमार ने बताया कि वे बिना चाय-नाश्ता किए सुबह ही गैस लेने आ गए, लेकिन उन्हें सिलिंडर नहीं मिल सका। इंतजार करना लोगों की मजबूरी बन गया है।

पुलिस ने करोड़ों की जीएसटी चोरी के इनामी अभियुक्त को दबोचा

रामपुर। करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी के मामले में वांछित और 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त वसीम उर्फ बस्सू को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

अपराध शाखा और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने मंगलवार को उसे उत्तराखंड से दबोचा।वसीम उर्फ बस्सू पर जीएसटी प्रपत्रों में हेराफेरी और जालसाजी कर राज्य सरकार के करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी करने का आरोप है। यह मामला पिछले वर्ष अगस्त को अजीमनगर थाने में दर्ज किया गया था।जीएसटी विभाग की ओर से दर्ज प्राथमिकी में रईसुद्दीन, बरहानुद्दीन और अन्य अज्ञात फर्मों के व्यक्तियों को नामजद किया गया था। जांच के दौरान वसीम उर्फ बस्सू का नाम सामने आया। उसकी गिरफ्तारी के लिए एसपी ने पच्चीस हजार रुपये का पुरस्कार घोषित किया था। एएसपी अनुराग सिंह ने बताया कि अभियुक्त वसीम उर्फ बस्सू को जसपुर, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड के टैक्सी स्टैंड से पकड़ा गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन, फर्जी ई-वे बिल और अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। इस मामले में पुलिस पहले भी चार अन्य अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें अजीम अहमद, अमन, नवाब अली और नाजिम शामिल हैं।

आजम-अब्दुल्ला की अपील बीस को आएगा फैसला

रामपुर। दो पैन कार्ड मामले में सजा काट रहे सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की अपील पर बीस अप्रैल को कोर्ट फैसला सुना सकती है। इस मामले की सुनवाई पूरी हो चुकी है।

सपा नेता अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पिछले दिनों सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की कैद व 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से सजा के खिलाफ और अभियोजन की ओर से सजा बढ़ाए जाने को लेकर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में अपील दायर की गई है।

इस अपील पर सुनवाई चल रही है। पिछले दिनों इस मामले की अपील पर सुनवाई पूरी हो चुकी है। सुनवाई पूरी होने के बाद अब इस मामले की सुनवाई बीस अप्रैल को होगी। इस दिन सेशन कोर्ट इस अपील पर अपना फैसला सुना सकती है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस व अग्नि सुरक्षा सप्ताह का आयोजन

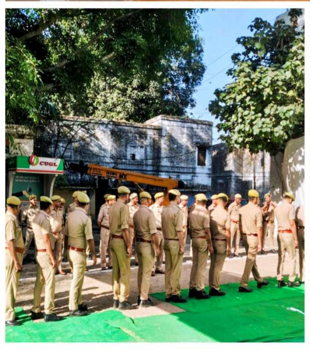

बरेली में 14 से 20 अप्रैल तक जागरूकता कार्यक्रम व प्रशिक्षण एवं मॉक ड्रिल का होगा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। 14 अप्रैल 1944 को मुंबई के विक्टोरिया बंदरगाह पर खड़े 'फोर्ट स्टिकिन' नामक जहाज में भीषण आग लगने की घटना में अनेक अग्निशमन कर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। इस वीरता और बलिदान की स्मृति में भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल को अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

इसी क्रम में दिनांक 14 अप्रैल 2026 को जनपद बरेली में अग्निशमन एवं आपदा सेवा के अंतर्गत संचालित सभी अग्निशमन केंद्रों पर यह दिवस श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर अग्नि दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने तथा जनसामान्य को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। इस वर्ष की थीम सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज - आग की रोकथाम के लिए एक साथ के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अग्निशमन विभाग द्वारा इस दौरान जनपद के विभिन्न संस्थानों, स्कूल-कॉलेजों, अस्पतालों, बाजारों एवं आवासीय परिसरों में अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण, मॉक ड्रिल तथा फायर ऑडिट कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वर्तमान में जनपद बरेली में 8 अग्निशमन केंद्र संचालित हैं, जिन पर कुल 141 अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात हैं, जो अत्याधुनिक उपकरणों एवं वाहनों की सहायता से अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं।

वर्ष 2025 के दौरान अग्निशमन विभाग द्वारा कुल 694 अग्निकांडों पर नियंत्रण पाया गया, 360 लोगों का जीवन बचाया गया तथा करोड़ों की संपत्ति को सुरक्षित किया गया। इसके साथ ही 729 मॉक ड्रिल एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त वर्ष 2025-26 में विभिन्न जुलूसों, वीआईपी/वीवीआईपी कार्यक्रमों एवं त्योहारों के दौरान पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर जनपद में शांति व्यवस्था बनाए रखने में भी अग्निशमन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कोतवाली पुलिस ने छेड़छाड़ के आरोपी को अवैध तमंचे के साथ किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । थाना कोतवाली पुलिस ने छेड़छाड़ के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए बुधवार को अवैध तमंचे और जिंदा कारतूस सहित आरोपी को गिरफ्तार किया । आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, 14 अप्रैल को थाना कोतवाली क्षेत्र में एक युवती के साथ छेड़छाड़ की घटना सामने आई थी। इस संबंध में मुकदमा संख्या 168/26 धारा 76/315(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम आरोपी की तलाश में जुटी थी।

चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मनोरंजन सदन के पास, रेलवे जंक्शन बरेली के निकट से आरोपी अफसर उर्फ साहिल (28) निवासी ग्राम धौरेरा माफी, थाना इज्जतनगर को गिरफ्तार कर लिया।

तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा (.315 बोर) और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इस बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत एक और मुकदमा (संख्या 169/26) दर्ज किया गया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह युवती से एकतरफा प्रेम करता था और लगातार उसे फोन व संदेश के माध्यम से परेशान कर रहा था। घटना के दिन उसने युवती को गांधी उद्यान के पास बुलाकर उस पर दोस्ती का दबाव बनाया।

विरोध करने पर वह जबरदस्ती करने लगा, लेकिन मौके पर लोगों के पहुंचने पर फरार हो गया। बाद में उसने अपनी सुरक्षा के लिए एक साथी से अवैध तमंचा मंगवा लिया।

इस कार्रवाई में चौकी चौराहा प्रभारी नितिन राणा , उपनिरीक्षक शिवम कुमार, उपनिरीक्षक गौरव कुमार अत्री और कांस्टेबल मनोज कुमार शामिल रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

रविवि में बनेगा नेक्स्ट जेन डाकघर, हाईस्पीड वाईफाई समेत मिलेंगी कई सुविधाएं

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। डाक विभाग की महत्वाकांक्षी नेक्स्ट जेन योजना के अंतर्गत महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय परिसर में स्थित डाकघर का चयन किया गया है। इस योजना के तहत डाकघर को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय परिसर में होने के कारण यह केंद्र छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित होगा। प्रधान डाकघर के सीनियर पोस्ट मास्टर अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि कायाकल्प के बाद रुहेलखंड विश्वविद्यालय के डाकघर में विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। योजना के अनुसार, यहां आने वाले लोगों के लिए एक आधुनिक लाइब्रेरी की व्यवस्था की जाएगी। लाइब्रेरी में किताबें, अखबार मैगजीन आदि रखी होंगी। परिसर को हाईस्पीड वाईफाई से लैस किया जाएगा।

नारी शक्ति वंदन रैली में महिला शिक्षिकाओं ने स्कूटी से भरा हुंकार ?

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार सुबह सड़कों पर महिला सशक्तिकरण का अनूठा संगम देखने को मिला। महिला शक्ति और स्वावलंबन का संदेश देने के लिए शहर में एक भव्य नारी शक्ति रैली का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों महिला शिक्षिकाओं व अन्य महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ?रैली का शुभारंभ सुबह साढ़े नौ बजे स्पोर्ट्स स्टेडियम से हुआ। इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि नगर क्षेत्र के सभी परिषदीय विद्यालयों की शिक्षिकाओं को उनकी स्कूटी के साथ आमंत्रित किया गया था। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति का सम्मान और उनकी सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ? ?सेल्फी और फोटो के साथ हुआ समापन ?स्पोर्ट्स स्टेडियम से शुरू होकर यह रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए कैंट स्थित वीरांगना चौक पर जाकर संपन्न हुई। समापन स्थल पर शिक्षिकाओं और प्रतिभागियों के बीच जबरदस्त उत्साह देखा गया। कार्यक्रम के अंत में वीरांगना चौक पर सेल्फी और फोटो खिंचवाने की होड़ मची रही। रैली में शामिल महिलाएं नारी सशक्तिकरण के स्लोगन लिखी तख्तियां भी साथ मे लिए थी। जिसके माध्यम से समाज में संदेश दिया कि आज की नारी हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर और जागरूक है।

23 अप्रैल को सैनिक बंधुओं की होगी बैठक, पूर्व सैनिकों की समस्याओं का होगा समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली, 15 अप्रैल। जनपद बरेली के पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं के निराकरण के लिए सैनिक बन्धु की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया जा रहा है। यह बैठक दिनांक 23 अप्रैल 2026 को अपराह्न 11:00 बजे कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में आयोजित होगी। जिला प्रशासन द्वारा समस्त पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों से अपील की गई है कि वे अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का पंजीकरण 22 अप्रैल 2026 तक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय, बरेली में अवश्य करा लें। इसके अतिरिक्त, इच्छुक व्यक्ति अपने प्रार्थना पत्र एवं आवश्यक प्रपत्रों के साथ सीधे 23 अप्रैल को बैठक में भी उपस्थित हो सकते हैं। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमांडर सतीश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बैठक का उद्देश्य पूर्व सैनिकों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।प्रशासन ने सभी संबंधितों से समय से पंजीकरण कर बैठक में भाग लेने की अपील की है, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया जा सके।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं वे बालिकाओं को सुरक्षा सम्मान सरकारी योजनाओं के बारे में जागरुक कराया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर राजा / मुरादाबाद कोतवाली मुगलपुरा मिशन शक्ति अभियान फेज - 5.0 के अंतर्गत चल रहे मिशन शक्ति अभियान के सम्बन्ध महिलाओं व बालिकाओं के साथ गोष्टी कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे- विधवा पेंशन योजना वृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ,कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराते हुए एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे - राजकीय जूनियर हाई स्कूल में महिलाओं को हेल्पलाइन नंबर वूमेन पावर लाइन-1090 घरेलू हिंसा हेल्पलाइन-181 पुलिस आपातकालीन सेवा -112 स्वास्थ्य सेवा- 102,108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर - 1076 चाइल्ड लाइन 1098 साइबर क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई व पंपलेट वितरण किए गए स्र्स्ञ 02 थाना मुगलपुरा जनपद मुरादाबाद

MY Bharat Budget Quest 2026: पीलीभीत के युवाओं ने राष्ट्रीय मंच पर बढ़ाया जनपद का मान

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार /पीलीभीत - मेरा युवा भारत (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय) द्वारा आयोजित MY Bharat Budget Quest 2026ॅ में जनपद पीलीभीत के प्रतिभाशाली युवाओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। इस उपलब्धि से पूरे जिले में हर्ष एवं गौरव का वातावरण है।

प्रतियोगिता में पीलीभीत के होनहार प्रतिभागियों-अर्पित सिंह ,रिधिमा अग्रवाल, सिद्धि सिंह देशवर, पवन कुमार, मो. इंजमाम, पार्थ अग्रवाल, प्रशांत कुमार एवं मोहित कुमार-ने तीनों चरणों (क्विज़, निबंध एवं अंतिम चरण) को सफलतापूर्वक पार करते हुए अपनी योग्यता का शानदार प्रदर्शन किया। इसके परिणामस्वरूप उन्हें 12-13 अप्रैल 2026 को आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री के साथ वर्चुअल संवाद का विशेष अवसर प्राप्त हुआ, जहां उन्होंने अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम का आयोजन 12-13 अप्रैल 2026 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में किया गया। 12 अप्रैल को नारी शक्ति यूथ पार्लियामेंट का आयोजन हुआ, जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस सत्र में महिला प्रतिभागियों ने संसद की प्रक्रिया का अनुकरण करते हुए अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। 13 अप्रैल को कार्यक्रम का शुभारंभ उद्घाटन सत्र के साथ हुआ, जिसके पश्चात पैनल डिस्कशन आयोजित किए गए। इन चर्चाओं के प्रमुख विषय ह्यूमन कैपिटल (शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार में निवेश) तथा वूमेन-लेड एंड इन्क्लूसिव डेवलपमेंट रहे। विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों ने इन विषयों पर गहन चर्चा करते हुए विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर माननीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री श्री मनसुख मंडाविया जी एवं माननीय प्रधानमंत्री जी का प्रेरणादायक संदेश प्रस्तुत किया गया, जिसने युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रतिभागी पवन कुमार ने MY Bharat Portal के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मंच युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त अवसर प्रदान करता है। जिला युवा अधिकारी कार्यालय एवं शिक्षण संस्थानों ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। यह उपलब्धि न केवल इन छात्रों के लिए, बल्कि पूरे जनपद पीलीभीत के लिए गर्व का विषय है और अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

माटीकला उद्योग हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित, युवाओं को स्वरोजगार का अवसर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रदेश सरकार द्वारा कुम्हारों, परम्परागत कारीगरों एवं युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को 25 प्रतिशत तक अनुदान प्रदान किया जाएगा।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा माटीकला कार्य से जुड़े कारीगरों, उद्यमियों एवं शिल्पियों के समन्वित विकास के लिए यह योजना चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत अधिकतम 10 लाख रुपये तक की परियोजनाओं को स्वीकृति दी जाएगी, जिसमें पूंजीगत ऋण पर 25 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि योजना के तहत खिलौना निर्माण, घरेलू उपयोग के बर्तन जैसे घड़ा, सुराही, कुल्हड़, गिलास, कटोरी, अचारदानी, कप-प्लेट आदि के साथ-साथ भवन निर्माण सामग्री जैसे फ्लोर टाइल्स, रूफ टाइल्स, पाइप, वॉश बेसिन तथा सजावटी वस्तुएं जैसे गार्डन पॉट, गुलदस्ते, लैम्प आदि का निर्माण किया जा सकेगा। इन उद्योगों की स्थापना हेतु बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के तहत केवल व्यक्तिगत इकाइयों की स्थापना की जाएगी, जिससे कारीगरों एवं शिल्पियों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके और उन्हें वित्तीय सहायता प्राप्त हो।

योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है। साथ ही माटीकला या शिल्पकला में प्रशिक्षण अथवा पारंपरिक ज्ञान होना आवश्यक है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पात्र युवक-युवतियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन के समय अभ्यर्थियों को अपनी फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता, निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड/फैमिली आईडी एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट संबंधित वेबसाइट पर अपलोड करनी होगी।

लटका मिला विवाहिता का शव, पति समेत सात लोगों पर दहेज हत्या की रिपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र के कटरा चांद खां में पांच साल पहले ब्याही महिला का शव मंगलवार सुबह घर में ही फंदे से लटका मिला। सूचना पर बारादरी पुलिस मौके पर पहुंची।

ससुरालवालों ने पति से अनबन के बाद फंदे पर लटककर आत्महत्या करने की बात कही। मायके वालों ने दहेज की खातिर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने पति समेत सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट लिख ली है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हैंगिंग (लटकने से) मौत की पुष्टि हुई है।

लखीमपुर खीरी के मैगलगंज निवासी संतोष कुमारी ने बारादरी थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह को बताया कि उनकी बेटी अनमोल उर्फ कोमल की शादी वर्ष 2021 में कटरा चांद खां निवासी आकाशदीप से हुई थी। दंपती का तीन वर्षीय पुत्र अन्नू है। शादी के बाद से ही ससुराल वाले दहेज कम लाने को लेकर प्रताड़ित कर रहे थे।

अनमोल ने कई बार अपने माता-पिता को इस बारे में बताया था। उन लोगों ने बेटी को समझा दिया था। आरोप लगाया कि सोमवार रात करीब दो बजे अनमोल को फंदे पर लटकाकर मार दिया गया। ससुराल वालों ने उन्हें मौत की सूचना भी नहीं दी। पड़ोसियों से जानकारी मिलने पर परिजन बरेली पहुंचे। उन्होंने देखा कि अनमोल का शव घर में पड़ा था और उसके गले पर फंदे के निशान थे।

इन पर हुई रिपोर्ट थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह ने बताया कि मां संतोष कुमारी ने अनमोल के पति आकाशदीप, ससुर राजेश कुमार, कल्याण सिंह, सास कमलेश, देवर शुभम और ननद दीक्षा उर्फ पूजा व शिवानी उर्फ कुंजा पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। इन सभी पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या का आरोप है। कुछ लोगों को पूछताछ के लिहाज से बुलाया गया है।

बरेली में जल्द बनेगा अत्याधुनिक टर्मिनल, ई-बसों का संचालन करेगा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आने वाले वर्षों में रोडवेज चरणबद्ध तरीके से डीजल पर निर्भरता घटाएगा। इसके लिए 200 ई-बसों का अत्याधुनिक टर्मिनल बनाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का मकसद पर्यावरण संरक्षण और परिचालन लागत में कमी लाना है। ई-बसों का संचालन शुरू होने के बाद रोडवेज पर वित्तीय बोझ भी कम होगा। यात्रा भी आरामदेह हो जाएगी। डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के कारण यात्रा महंगी होने के साथ रोडवेज पर वित्तीय बोझ भी बढ़ता जा रहा है। नगरीय विकास विभाग ने दो साल पहले ही शहर में ई-बसों का संचालन शुरू कर दिया है। ई-बस डिपो स्वालेनगर में बनाया गया है। अब रोडवेज ई-बसों का संचालन शुरू करेगा। बरेली परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक दीपक चौधरी ने बताया कि आने वाले वर्षों में रोडवेज पर्यावरण संरक्षण और परिचालन लागत को घटाने के लिए ई-बसों का संचालन करेगा। इसके लिए पहले चरण में 200 ई-बसों का टर्मिनल बनाने की योजना है। शहर में झुमका तिराहा और बदायूं रोड पर भूमि भी चिह्नित की गई है। मुख्यालय स्तर से जो भी दिशा निर्देश मिलेंगे उनके अनुसार काम किया जाएगा।

बोर्ड परीक्षा में शिवपुरी का शानदार प्रदर्शन, हायर सेकेंडरी परिणाम में 8% से अधिक वृद्धि

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ ,शिवपुरी। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणामों में शिवपुरी जिले ने इस वर्ष उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम में पिछले वर्ष की तुलना में 8.20 प्रतिशत तथा हाईस्कूल में 4.68 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

जिले में हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 71.58 प्रतिशत एवं हायर सेकेंडरी का परिणाम 78.71 प्रतिशत रहा। वहीं हाईस्कूल के 8 एवं हायर सेकेंडरी के 14 परीक्षार्थियों ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया है।

हायर सेकेंडरी में कला वर्ग से आदर्श बंधु उ.मा.वि. शिवपुरी की छात्रा दीप्ती रावत ने 487 अंक प्राप्त कर प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया। विज्ञान-गणित वर्ग में शासकीय मॉडल उ.मा.वि. पोहरी के छात्र कान्हा शर्मा ने 490 अंक के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। वाणिज्य वर्ग में प्रतिष्ठा गौड़ ने 486 अंक के साथ पांचवां स्थान पाया। कृषि संकाय में तुलसी राजावत एवं चंचल कुशवाह ने 493 अंक के साथ प्रथम स्थान, जबकि प्रीति कुशवाह ने 488 अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। संजना धाकड़ ने 487 अंक के साथ तृतीय स्थान हासिल किया।

हाईस्कूल परीक्षा में भी जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

राजीव कुमार राठौड़ एवं दीपेश धाकड़ ने 8वां स्थान, स्मृति पांडे, आशिकी शर्मा एवं रानू प्रजापति ने 9वां स्थान, जबकि मोनिका प्रजापति, रवि कुशवाह एवं मंशी अग्रवाल ने 10वां स्थान प्राप्त किया।

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और सकारात्मक सोच का परिणाम है। साथ ही उन्होंने असफल विद्यार्थियों को निराश न होकर आगे बेहतर प्रयास करने की प्रेरणा दी।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता का नटेरन दौरा – शासकीय योजनाओं की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी,/ नटेरन क्षेत्र में ग्राम पंचायत ताज खजूरी मैं, सोसाइटी, माल गोदाम आरोग्य भवन, स्कूल विद्यार्थियों से संवाद और कौशल विकास पर दिया जोर जिला कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज नटेरन क्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता संदीपनी हाई स्कूल पहुंचे, जहां उन्होंने कक्षाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बीच जाकर शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी पढ़ाई, विषयों की समझ और स्कूल में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही कलेक्टर ने विद्यालय में संचालित व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी अवलोकन किया। ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं से बातचीत करते हुए उन्होंने उन्हें ध्यानपूर्वक अभ्यास करने और अपने कौशल को निखारने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा से आत्मनिर्भरता की दिशा में बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने छात्राओं को गांव-गांव में जाकर इस क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से युवा न केवल स्वयं के लिए रोजगार सृजित कर सकते हैं, बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा सकते हैं।

भ्रमण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर और प्रभावी तरीके से पहुंचाया जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिल सके।

जहरीली गैस से दो मजदूरों की मौत: ठेकेदार ने चैंबर में उतारे अनट्रेंड लेबर, JCB से सीवर को तोड़कर निकाली गई लाश

हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी रोष है। देर रात शव निकालने के दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा रही। लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और मृतकों के परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। हरियाणा के फिरोजपुर झिरका शहर में देर रात सीवर सफाई के दौरान बड़ा दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां जहरीली गैस की चपेट में आने से दो सफाई कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि उन्हें बचाने के लिए सीवर में उतरा तीसरा कर्मचारी गंभीर रूप से बेहोश हो गया। समय रहते उसे

अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत अब खतरे से बाहर बताई है। हादसे के बाद पुलिस ने मृतकों के परिजनों की शिकायत पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एसडीओ, कनिष्ठ अभियंता (जेई) और ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।अनट्रेंड थे दोनों मजदूर- जानकारी के अनुसार, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की ओर से सीवर सफाई का कार्य टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से एक ठेकेदार को दिया गया था। आरोप है कि ठेकेदार ने बिना किसी प्रशिक्षित कर्मचारी और सुरक्षा उपकरणों के अनट्रेंड युवकों को सीवर चेंबर में उतार दिया। जैसे ही चेंबर का ढक्कन खोला गया और कर्मचारी नीचे उतरे, वहां पहले से भरी जहरीली गैस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही क्षणों में दो कर्मचारी बेहोश होकर सीवर में गिर पड़े।जेसीबी से तोड़ा सीवर चेंबर- अपने साथियों को बचाने के प्रयास में तीसरा कर्मचारी भी नीचे उतर गया, लेकिन वह भी जहरीली गैस से प्रभावित होकर बेहोश हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, प्रशासन और राहत दल मौके पर पहुंच गया। एसडीएम लक्ष्मी नारायण और पुलिस अधिकारियों ने रातभर मौके पर डटे रहकर रेस्क्यू ऑपरेशन की निगरानी की। वहीं ठेकेदार व उसके कर्मचारी मौके से नदारद रहे। राहत टीम ने जेसीबी मशीन की मदद से सीवर चेंबर को तोड़कर करीब ढाई से तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद तीनों कर्मचारियों को बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें तत्काल एंबुलेंस से अल आफिया अस्पताल, मांडीखेड़ा ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो कर्मचारियों को मृत घोषित कर दिया। मरने वाला एक यूपी तो दूसरा पलवल का था- मृतकों की पहचान अब्दुल कलाम (30) पुत्र जमशेद निवासी नूनाबाड़ी, जिला सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) और राजेंद्र पुत्र खिच्चू निवासी गांव सेवली, तहसील होडल, जिला पलवल के रूप में हुई है। वहीं तीसरे कर्मचारी अरबाज पुत्र भूरा, निवासी उत्तर प्रदेश का अस्पताल में उपचार जारी है और उसकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। बिना सुरक्षा उपकरणों के उतार दिए मजदूर- इस हादसे ने विभागीय कार्यप्रणाली और ठेकेदारी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों का आरोप है कि सफाई कर्मचारियों को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सीवर में उतारा गया। उनके पास न गैस मास्क थे, न ऑक्सीजन सिलेंडर, न सेफ्टी बेल्ट और न ही अन्य जरूरी सुरक्षा संसाधन। यही नहीं, मौके पर कोई प्रशिक्षित सुपरवाइजर या तकनीकी कर्मचारी भी मौजूद नहीं था। बताया जा रहा है कि मुख्य ठेकेदार ने यह काम स्थानीय ठेकेदार को पेटी पर दे रखा था, जो मनमाने तरीके से मजदूरों से काम करा रहा था। पिता बोले- बेटे को नहीं था अनुभव- मृतक अब्दुल कलाम के पिता जमशेद ने बताया कि सात बेटियों के बाद उनका इकलौता बेटा अब्दुल कलाम हुआ था। उसके दो छोटे बच्चे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बेटे को सीवर सफाई का कोई अनुभव नहीं था, लेकिन पैसों का लालच देकर ठेकेदार उसे यहां काम पर ले आया। इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस का बयान- डीएसपी अजायब सिंह ने बताया कि मृतकों के परिजनों की शिकायत पर सिटी थाना फिरोजपुर झिरका में ठेकेदार, एसडीओ और जेई के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह के अनुसार शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है और मामले की गहन जांच जारी है। मुआवजे की मांग- हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी रोष है। देर रात शव निकालने के दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा रही। लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और मृतकों के परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की है। यह हादसा एक बार फिर सीवर सफाई में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और प्रशासनिक लापरवाही की भयावह तस्वीर सामने लाता है।

कौशल विकास में नई रफ्तार पारदर्शिता, तकनीक और गुणवत्ता के साथ आगे बढ़ता उत्तर प्रदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार /पीलीभीत – उत्तर प्रदेश में कौशल विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां अब केवल प्रशिक्षण की संख्या नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता और परिणाम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष के पहले ही दिन 99,075 प्रशिक्षण लक्ष्यों का आवंटन से यह दिख रहा है कि कौशल विकास प्राथमिकता के केंद्र में है।

इस बार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि प्रशिक्षण लक्ष्यों का आवंटन पारदर्शी और ग्रेडिंग आधारित व्यवस्था के तहत किया गया है। पहली बार प्रशिक्षण केंद्रों का मूल्यांकन कर उनके प्रदर्शन के आधार पर लक्ष्य दिए गए हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ जवाबदेही भी सुनिश्चित हुई है। इससे न केवल बेहतर संस्थानों को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

प्रदेश सरकार ने इस प्रक्रिया को तेज और प्रभावी बनाने के लिए समयसीमा में भी बड़ा बदलाव किया है। जहां पहले प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना में लगभग 90 दिन का समय लगता था, वहीं अब इसे घटाकर 30 दिन कर दिया गया है। इससे प्रशिक्षण कार्यक्रम समय पर शुरू हो सकेंगे और अधिक से अधिक युवाओं को लाभ मिल सकेगा।

डिजिटल व्यवस्था को मजबूत करते हुए इम्पैनलमेंट, लक्ष्य आवंटन और भुगतान की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है। इसके साथ ही 'स्मार्ट टॉप-अप' जैसी नई व्यवस्था लागू की गई है, जिसके तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षण संस्थानों को अतिरिक्त लक्ष्य दिए जाएंगे। यह व्यवस्था संस्थानों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी और परिणाम आधारित कार्यसंस्कृति को बढ़ावा देगी।

कौशल प्रशिक्षण को आधुनिक और रोजगारपरक बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रशिक्षण, सॉफ्ट स्किल्स, लाइव क्लास और इंडस्ट्रियल विजिट को अनिवार्य किया गया है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रशिक्षण केवल सैद्धांतिक न रहकर व्यावहारिक और उद्योगों की मांग के अनुरूप हो। साथ ही 33 प्रतिशत महिलाओं, 5 प्रतिशत दिव्यांगजनों और वंचित वर्गों को प्राथमिकता देकर समावेशी विकास को भी केंद्र में रखा गया है।

इस वर्ष प्रशिक्षण लक्ष्यों को वार्षिक के बजाय त्रैमासिक आधार पर निर्धारित किया गया है,

जिससे नियमित समीक्षा और सुधार की संभावना बढ़ेगी। पहले जहां पूरे वर्ष के लिए एकमुश्त लक्ष्य दिया जाता था, वहीं अब तीन-तीन माह के लिए लक्ष्य तय कर प्रदर्शन के आधार पर आगे की रणनीति बनाई जाएगी। इससे प्रशिक्षण प्रक्रिया अधिक लचीली और प्रभावी बनेगी।

संक्षिप्त समाचार

शोहदा ने युवती से की छेड़खानी, चेहरे पर तेजाब डालने की दी धमकी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। दिल्ली से पीछा करता हुआ शोहदा बरेली शहर के बारादरी थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की निवासी युवती के घर तक पहुंच गया। उसने पूरे परिवार को जान से मारने और युवती पर तेजाब से हमला करने की धमकी दी। इतना ही नहीं युवती को बीच सड़क पर रोककर छेड़खानी की और अपमानित किया। एसएसपी अनुराग आर्य के आदेश पर बारादरी थाना पुलिस ने चार लोगों को नामजद करते हुए रिपोर्ट दर्ज कर ली है। बारादरी थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि वह अपने परिवार के साथ दिल्ली की एक फुटवियर फैक्टरी में नौकरी करती थी। यहीं थाना शीशगढ़ के मकालपुर निवासी रिजवान भी नौकरी करता था। रिजवान उस पर गलत नीयत रखता था। आए दिन उसके साथ छेड़खानी करता था और शादी न करने पर तेजबा डालकर चेहरा बिगाड़ने व पूरे परिवार की हत्या की धमकी देता था। इससे परेशान होकर वह दो साथ पहले परिवार के साथ वापस बरेली आ गई। रिजवान ने यहां भी पीछा नहीं छोड़ा। वह अक्सर उसके घर आकर गाली-गलौज करता है और जान से मारने व शादी न करने पर तेजाबी हमला करने की धमकी देता है। युवती का आरोप है कि रिजवान का साथ उसका पिता अशरफ, मां अनोखी, उसका भाई तौहीद भी दे रहे हैं। रिजवान अक्सर उसे रास्ते में घेरकर छेड़खानी करता है और धमकी देता है। इंस्पेक्टर बारादरी विजेंद्र सिंह ने बताया कि चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

केएल इंटरनेशनल स्कूल के छात्र विवान ने किया मेरठ टॉप, 500 में से हासिल किए 497 अंक

सीबीएसई दसवीं का परीक्षा परिणाम घोषित हो गया है। केएल इंटरनेशनल के छात्र विवान अग्रवाल ने जिला टॉप कर अपने गुरुजनों और माता-पिता का नाम रोशन कर दिया है। विवान के परिवार में हर्ष का माहौल है और मिठाइयां बांटी जा रही हैं।केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम बुधवार को घोषित हुआ, जिसमें मेरठ के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी मेधा का लोहा मनवाया। इस वर्ष के परीक्षा परिणाम में केएल स्कूल के छात्र विवान अग्रवाल ने 500 में से 497 अंक प्राप्त कर 99.4 प्रतिशत के साथ मेरठ का जिला टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है। वहीं, मेरठ पब्लिक गर्ल्स स्कूल की हर्षिता ने 99 प्रतिशत अंकों के साथ स्कूल टॉप किया। इस वर्ष के परीक्षा परिणाम में छात्रों के प्रदर्शन ने अभिभावकों और शिक्षकों को गौरवान्वित किया है। केएल इंटरनेशनल स्कूल के छात्र विवान अग्रवाल की इस असाधारण उपलब्धि ने पूरे शहर में खुशी की लहर दौड़ाई है। उन्होंने विज्ञान और गणित जैसे कठिन विषयों में विशेष रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। स्कूल प्रबंधन ने विवान को उनकी कड़ी मेहनत और लगन के लिए सराहा है।एमपीजीएस की हर्षिता ने भी अपनी मेहनत और समर्पण से 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर एक मिसाल कायम की है। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन ने छात्राओं के लिए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। स्कूल की प्रधानाचार्या ने हर्षिता की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके निरंतर प्रयासों का परिणाम है। सीबीएसई 10वीं के परिणाम में मेरठ के अन्य स्कूलों के विद्यार्थियों ने भी सराहनीय प्रदर्शन किया है। कई विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर अपने भविष्य की उज्ज्वल राह प्रशस्त की है। इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग को जाता है। स्कूलों में जश्न का माहौल- परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद से ही स्कूलों में जश्न का माहौल है। मेधावी छात्र-छात्राओं को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। इस वर्ष के परिणाम ने यह साबित कर दिया है कि मेरठ के विद्यार्थी शिक्षा के क्षेत्र में किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यह परिणाम आने वाले वर्षों में अन्य छात्रों को भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

गौरव मिश्रा बने सिरमौर ब्लॉक अध्यक्ष, पत्रकार राज संघ में खुशी की लहर

क्यूँ न लिखूँ सच / रीवा / जहां श्रेय टीवी के ब्यूरो चीफ गौरव मिश्रा को पत्रकार राज संघ में सिरमौर ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के बाद संगठन के पदाधिकारियों और पत्रकारों में खुशी की लहर देखने को मिल रही है। पत्रकार राज संघ के सभी सदस्यों ने गौरव मिश्रा को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में पत्रकारों के हितों को मजबूती मिलेगी और संगठन को नई दिशा प्राप्त होगी। आपको बता दें कि पत्रकार राज संघ एक पंजीकृत संगठन है, जो नीति आयोग से रजिस्टर्ड है और 12 एवं 80त्न प्रमाणन से भी मान्यता प्राप्त है। गौरव मिश्रा की नियुक्ति को संगठन के विस्तार और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

62वीं वाहिनी एसएसबी, भिनगा में बैसाखी पर्व के दिन जवानों ने लिया राष्ट्र सेवा का संकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती 62वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), भिनगा में बैसाखी पर्व के उपलक्ष्य में अमरेन्द्र कुमार वरुण कमांडेंट 62वीं वाहिनी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वाहिनी के वरिष्ठ अधिकारी अधीनस्थ अधिकारी एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक विधि से दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जो ज्ञान, ऊर्जा एवं सकारात्मकता का प्रतीक है। इसके उपरांत सिख धर्म के दसवें गुरु एवं महान राष्ट्रनायक गुरु गोविन्द सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान उपस्थित सभी कार्मिकों ने उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अगले चरण में गुरु गोविन्द सिंह के जीवन, उनके अदम्य साहस, त्याग, बलिदान एवं धर्म और राष्ट्र की रक्षा हेतु किए गए संघर्षों पर आधारित एक प्रेरणादायक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस लघु फिल्म ने उपस्थित सभी कार्मिकों के भीतर देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्र सेवा की भावना को और अधिक प्रबल किया। कमांडेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने बैसाखी पर्व के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व न केवल फसल कटाई का उत्सव है, बल्कि साहस, त्याग और धर्म की रक्षा के संकल्प का भी प्रतीक है। उन्होंने बताया कि गुरु गोविन्द सिंह द्वारा स्थापित खालसा पंथ हमें सत्य, न्याय एवं राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी जवानों से अपील की कि वे इन आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हुए देश की सीमाओं की सुरक्षा में पूर्ण समर्पण के साथ अपना दायित्व निभाएं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के संकल्प के साथ किया गया।

बंगाल में बाढ़ राहत के नाम पर करोड़ों का घोटाला : TMC पर भड़के अमित शाह, बोले- सत्ता में आने पर करेंगे वसूल

पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली के दौरान अमित शाह ने टीएमसी पर उत्तर बंगाल बाढ़ राहत के 100 करोड़ रुपये के कथित घोटाले का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सत्ता में आई तो राशि वापस ली जाएगी और गोरखा मुद्दे का समाधान होगा। पश्चिम बंगाल में इस महीने होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राज्यभर की सियासत में गर्माहट तेज है। ध्यान देने वाली बात ये है कि जैसे-जैसे चुनाव के दिन नजदीक आ रहे हैं राजनीतिक पार्टियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी सातवें आसमान पर पहुंचती नजर आ रही है।

इसी बीच अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल में चुनावी रैली के दौरान वीडियो संबोधन के माध्यम से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर जमकर निशाना साधा और बाढ़ राहत के नाम पर 100 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया।उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की तरफ से उत्तर बंगाल में बाढ़ राहत के लिए दिए गए 100 करोड़ रुपये की रकम में घोटाला हुआ है और सत्ता में आने पर भाजपा यह पैसा वापस लेगी। शाह ने अपने बयान में गोरखा मुद्दे पर भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा बंगाल में सत्ता में आती है, तो दार्जिलिंग के गोरखा मुद्दे को प्राथमिकता से हल किया जाएगा। उन्होंने वादा किया कि गोरखा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर दर्ज सभी पुराने केस वापस ले लिए जाएंगे।मौसम खराब, वीडियो के जरिए संबोधन- बता दें कि खराब मौसम के कारण शाह दार्जिलिंग के लेबोंग नहीं पहुंच सके, इसलिए उन्होंने मालदा से वीडियो संदेश के जरिए लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 21 अप्रैल को कर्सियांग में होने वाली रैली में वे खुद मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि उन्होंने गोरखा मुद्दे को सुलझाने के लिए केंद्र द्वारा बुलाई गई बैठकों में हिस्सा नहीं लिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की अनदेखी के कारण यह समस्या अब तक बनी हुई है।कानून-व्यवस्था पर भी हमला- शाह ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल में घुसपैठ, गुंडाराज और माफिया राज खत्म किया जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार ने गोरखा समुदाय के लोगों पर झूठे केस दर्ज किए हैं, जिन्हें हटाया जाएगा। गौरतलब है कि दार्जिलिंग में लंबे समय से अलग गोरखालैंड राज्य की मांग चल रही है, जिसको लेकर पहले भी हिंसक आंदोलन हो चुके हैं। शाह ने भरोसा दिलाया कि भाजपा इस मुद्दे का स्थायी समाधान संविधान के दायरे में रहकर निकालेगी।

मिशन शक्ति-5 (द्वितीय चरण): महिलाओं-बालिकाओं को बहू-बेटी सम्मेलन के माध्यम से किया गया जागरुक

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेजद्5 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में जनपद श्रावस्ती के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों एवं शक्ति मोबाइल टीम द्वारा बहू-बेटी सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। इस थाना कोतवाली भिनगा, मल्हीपुर, सोनवा, हरदत्तनगर गिरंट, गिलौला, इकौना, सिरसिया, नवीन मॉडर्न, महिला थाना एवं शक्ति मोबाइल टीम द्वारा आयोजित इन सम्मेलनों में आशा बहुएं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां, गृहिणियां, विधवा एवं तलाकशुदा महिलाएं तथा किशोरियां बड़ी अभियान के तहत जनपद के 09 विभिन्न स्थानों पर लगभग 900 से अधिक महिलाओं एवं

बालिकाओं को एक मंच पर जोड़ते हुए उन्हें सुरक्षा, आत्मनिर्भरता, संवैधानिक अधिकारों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास का विकास कर उन्हें सामाजिक, आर्थिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाना रहा। जनपद के संख्या में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष एवं नारी शक्ति वंदन अधिनियम सहित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें इनका लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया।

राघव चड्ढा को केंद्र ने दी जेड श्रेणी सुरक्षा, दिल्ली-पंजाब में मिलेंगे अर्धसैनिक बल

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को केंद्र सरकार की ओर से जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। सूत्रों के हवाले से न्यूज एजेंसी आईएएनएस ने ये जानकारी दी है। खबर के अनुसार राघव चड्ढा को दिल्ली और पंजाब में अर्धसैनिक बलों द्वारा सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी।गृह मंत्रालय ने आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। सूत्रों के अनुसार खुफिया ब्यूरो (आईबी) की खतरे की आशंका को लेकर दी गई रिपोर्ट के आधार पर राघव चड्ढा को यह सुरक्षा प्रदान की गई है। उन्हें दिल्ली और पंजाब में अर्धसैनिक बलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाएगी।कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पंजाब सरकार द्वारा राघव चड्ढा को दी गई ' प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस ले ली गई है। सूत्रों के अनुसार, यह फैसला आप नेता के संसद में पंजाब से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने में कथित विफलता के चलते उठाया गया है।संसद में सांसद के प्रदर्शन पर आप का सवाल- आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा पर संसद में पंजाब

से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने में विफल रहने का आरोप लगाया था। आप ने कहा था कि उनकी निष्क्रियता पार्टी के सिद्धांतों के विरुद्ध है। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा, राज्य आप अध्यक्ष अमन अरोड़ा और पार्टी नेता कुलदीप सिंह ढींगरा ने एक संयुक्त बयान में कहा कि चड्ढा की कई महत्वपूर्ण मामलों पर चुप्पी निराशाजनक थी। पंजाब के वित्त मंत्री ने संसद में नहीं उठाए गए कई वित्तीय मामलों पर प्रकाश डाला। इनमें ग्रामीण विकास निधि के लगभग 8,500 करोड़ रुपये के लंबित होने और लगभग 60,000 करोड़ रुपये के जीएसटी-संबंधित नुकसान का मामला शामिल है। चीमा ने जीएसटी मुआवजे में बदलाव से जुड़े वित्तीय झटकों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत धन की कमी के मुद्दों का भी उल्लेख किया। घायल हूं, इसीलिए घातक हूं - राघव चड्ढा राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी ने उच्च सदन के उपनेता पद से हटा दिया था। इसके साथ उन पर कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। सांसद राघव चड्ढा ने खुद पर लगाए आरोपों पर सफाई दी थी। चड्ढा ने कहा था कि मेरे खिलाफ एक अभियान चलाया जा रहा है। एक जैसी भाषा और एक जैसे आरोप। पहले मुझे लगा कि इसका जवाब नहीं देना चाहिए लेकिन फिर लगा कि एक झूठ को सौ बार बोला जाए तो वो सच लगने लगता है। उन्होंने कहा कि जब भी विपक्ष सदन से वॉकआउट करता है तो मैं भी बाहर निकला हूं। संसद में हर जगह सीसीटीवी कैमरा है, आप उसकी फुटेज निकालकर दिखा दीजिए। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने वाले प्रस्ताव पर आप के किसी नेता ने साइन नहीं किया था। राघव चड्ढा ने धुरंधर फिल्म का संवाद भी कहा। उन्होंने कहा कि घायल हूं, इसीलिए घातक हूं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रक से कुचलकर मासूम की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती बाइक से जा रहे दम्पति को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे गोद में मौजूद चार वर्षीय मासूम

ट्रक के नीचे आ गया और कुचलकर उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रक को कब्जे मे लेते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बहराइच जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र स्थित श्रीनगर गांव निवासी राकेश कुमार आर्य अपनी पत्नी और पुत्र दिव्यांश (4) के साथ श्रावस्ती के मल्हीपुर थाना क्षेत्र स्थित रमवापुर से बाइक से अपने घर जा रहे थे। साईं गांव चौराहा के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे दम्पति बाइक समेत गिर गए और मां की गोद में स्थित दिव्यांश उछलकर ट्रक के नीचे आ गया। इससे कुचल की उसकी मौत हो गई।

शौच को गए बुजुर्ग की तालाब में डूबने से हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के संभारन पुरवा गांव निवासी 70 वर्षीय कन्नू पुत्र हरभजन जो अपनी बेटी के गांव मोहनिया गए हुए थे। थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बंठीहवा

पुलिस चौकी के सामने तालाब में शौच करने के लिए गए हुए थे। शौच करने के दौरान अचानक संतुलन बिगड़ गया और वह गहरे पानी में डूब गए। जब इसकी सूचना परिवार वालों को हुई तो कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची बांठिहवा पुलिस चौकी की पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवा कर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस भिनगा भेज दिया।

नल से निकल रहा दूषित पानी, पेयजल संकट

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती विकास क्षेत्र जमुनहा के ग्राम पंचायत देवरनिया में लोगों को पेयजल नहीं मिल पा रहा है।

इसी ग्राम पंचायत के बरगदही गांव में खुशहाल खां, बाबू खां, बरगदही मदरसा तथा लम्बुइया चौराहे पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य मुनीर अहमद तथा इसी चौराहे के बगल लम्बुइया गांव में साबिर के घर सामने लगा सरकारी हैंडपंप दूषित पानी दे रहा है। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य मुनीर अहमद, बाबू खां, खुशियाल खां अन्य आम लोगों ने नल का रिबोर करवाकर पुनः शुद्ध पेय जल उपलब्ध कराने की मांग ग्राम प्रधान जाकिर खां से की है।

आम भक्तों के लिए खोले गए मंदिर परिसर के सभी उप मंदिर, 90 मिनट में पूरी करनी होती है परिक्रमा

अयोध्या राम मंदिर में बने सभी उप मंदिर आम भक्तों के लिए खोल दीये गए हैं। अभी फिलहाल इन मंदिरों में दर्शन करने के लिए ऑनलाइन पास बन रहा है। श्रीराम जन्मभूमि परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लागू की गई नई दर्शन व्यवस्था का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। सामान्य पासधारक श्रद्धालु लगभग डेढ़ घंटे में रामलला के दर्शन के साथ परिसर के नौ उपमंदिरों का दर्शन कर पा रहे हैं, जबकि विशिष्ट पासधारक मात्र 30 मिनट में राम मंदिर समेत परकोटा स्थित प्रमुख मंदिरों के दर्शन पूर्ण कर ले रहे हैं।ट्रस्ट की ओर से लागू की गई इस नई व्यवस्था के तहत दर्शन मार्ग को सुव्यवस्थित किया गया है। दो-दो घंटे के स्लॉट पर राम मंदिर परिसर के सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं को दर्शन की सुविधा मिल रही है। प्रवेश और निकास के रास्तों को अलग-अलग किया गया है, जिससे भीड़ का दबाव कम है। कतारों को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग, दिशा संकेतक बोर्ड, सुरक्षा कर्मियों की अतिरिक्त तैनाती और स्वयंसेवकों की सहायता भी उपलब्ध कराई गई है। सामान्य पासधारकों को निर्धारित संख्या में प्रवेश दिया जा रहा है, वहीं विशिष्ट पासधारकों के लिए विशेष कॉरिडोर बनाया गया है। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और महिलाओं के लिए भी विशेष सहयोग व्यवस्था रखी गई है। परिसर में पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था और प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।स्थानीय महिला श्रद्धालु शिल्पी गुप्ता ने बताया कि सुबह नौ बजे राम जन्मभूमि दर्शन पथ से प्रवेश किया था। करीब 90 मिनट में राम मंदिर, सप्तमंडपम, शेषावतार समेत कुबेर टीला के दर्शन सुगमता से हो गए। दर्शन सहज, व्यवस्थित तरीके से हो रहा है। पहली बार पूरे परिसर को देखने का मौका मिला। वास्तव में परिसर मनमोहक है। वहीं बस्ती निवासी अनिल शर्मा ने भी बताया कि डेढ़ घंटे में दर्शन हो जा रहे हैं। परिसर का स्थापत्य आकर्षित करता है, राजमहल जैसी अनुभूति होती है। सुविधाओं में होगा इजाफा- व्यवस्थाओं को लगातार बेहतर किया जा रहा है। उद्देश्य यही है कि हर श्रद्धालु को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुगम वातावरण में प्रभु श्रीराम के दर्शन मिल सकें। आने वाले दिनों में सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। परिसर के सभी मंदिरों में श्रद्धालुओं को दर्शन मिले, यह सुविधा भी आने वाले दिनों में उपलब्ध कराई जाएगी।- डॉ. अनिल मिश्र, सदस्य, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट

Ask yourself these 5 questions before getting married, and life will become easier.

Five questions to ask yourself before marriage: First, am I mentally prepared for marriage? Second, do I understand my partner well? And third, do our life goals align? Question whether I'm ready for the responsibilities? And am I willing to compromise? Marriage is one of life's biggest and most important decisions, uniting not just two people but also two families. Often, people decide to marry under social pressure, age, or emotions, but it's crucial to take this step thoughtfully. One small mistake can impact your entire life. In today's times, understanding, respect, and harmony in relationships have become more important than ever. Marriage isn't just about love, but also about responsibilities, compromises, and a lifelong commitment. Therefore, it's crucial to ask yourself some important questions before saying "yes." These questions will help you understand whether you are mentally, emotionally, and socially ready for this relationship. If you ask the right questions at the right time, you can live a happy and balanced married life. Let's explore the five important questions everyone should ask themselves before marriage. First question: Am I mentally prepared for marriage? Marriage is not just a ritual, but a major change. If you are still in the process of understanding yourself or fear losing your independence, you should take a little more time. Second question: Do I understand my partner well? Love alone is not enough. It is important to understand your partner's habits, thoughts, and behavior thoroughly to reduce conflict in the future. Third question: Do our life goals match? If you and your partner have different life goals, this could lead to problems later on. Clarity regarding career, family, and lifestyle is essential. Fourth question: Am I ready for the responsibilities? Responsibilities increase after marriage. It's crucial to be prepared to shoulder financial, familial, and emotional responsibilities. Question Five: Am I willing to compromise? Every relationship is built on compromise. If you always insist on having your way, it could lead to problems in your marriage.

Most people don't notice this most common symptom of liver disease, aren't you unaware?

If liver problems are detected early, treatment can prevent a serious illness. However, most people fail to recognize them in time. The risk of liver disease is increasing globally. Problems that were previously seen with aging are now affecting younger people as well. The liver is a vital organ in our body, playing a crucial role in converting food into energy, removing toxins from the body, maintaining proper digestion, and purifying the blood. Therefore, any liver problem can have a devastating impact on the entire body. Health experts cite dietary and daily routine issues, obesity, alcohol addiction, and viral infections as factors that increase the risk to the liver. This is why it's crucial to maintain a healthy liver. Doctors say that if liver problems are detected early, treatment can prevent a serious illness. However, most people fail to recognize them in time. Let's learn about one such sign of liver disease that is very common, but most people are unaware of it. Recognize the early signs of liver disease. World Liver Day is celebrated every year on April 19th to raise awareness about liver disease, educate people about its early detection and treatment. Doctors say that it is extremely important to recognize the early signs of liver disease early. If left unattended, even a simple illness can lead to liver failure. Jaundice, a condition in which the eyes and skin turn yellow, is a common sign of liver disease, but people often mistake it for a separate problem. Let's understand why this problem occurs and how it relates to liver problems. Is your liver also at risk? Liver problems can cause persistent fatigue, loss of appetite, heaviness in the stomach, nausea, indigestion, body weakness, and unexplained weight loss. Sometimes, you may also experience itching or mild swelling of the skin. It's important to understand that jaundice is also a symptom of liver disease. When the liver isn't functioning properly, bilirubin builds up in the body, causing the eyes and skin to turn yellow. What connection does jaundice have with the liver? In case of liver problems or malfunctions, the liver can't properly remove a substance called bilirubin from the body. Increased bilirubin levels can cause yellowing of the eyes and skin, a condition known as jaundice. Bilirubin is a yellow pigment formed by the breakdown of old red blood cells. Normally, the liver removes it from the body. When blood levels exceed normal levels and the liver is unable to remove it, the skin and eyes turn yellow. Be careful if you have these problems: Liver disease or improper liver function can lead to jaundice and other problems, which require timely attention and treatment. Liver problems can cause water retention in the body. This can cause swelling in the abdomen, legs, or ankles. Dark urine or a change in stool color can also be a sign of a liver problem. Liver problems can also cause symptoms like memory loss and excessive sleepiness. If you experience severe abdominal pain, frequent vomiting, or black or bloody stools, consult a doctor immediately.

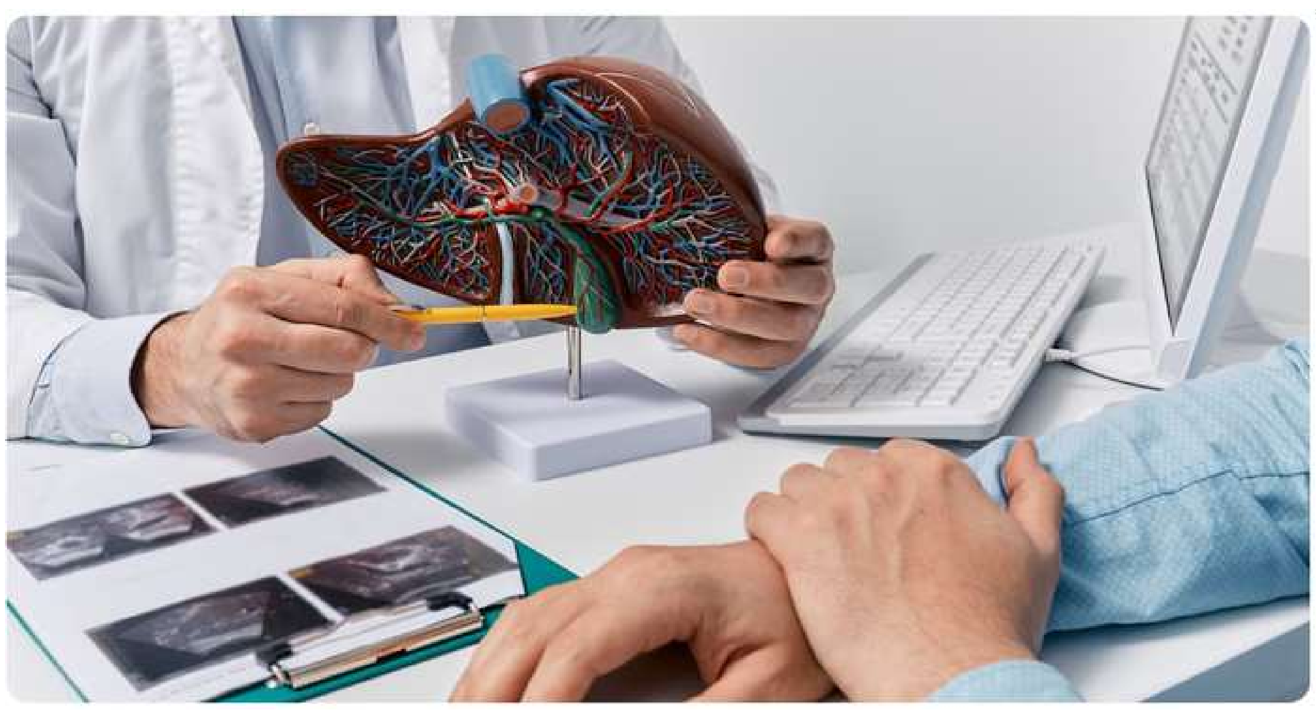

Should you apply kajal to children's eyes? Learn what experts say about this.

You may have often heard elders say that applying kajal to children's eyes makes them look bigger. Let's find out how much truth there is to this. The tradition of applying kajal to newborns and young children is a long-standing tradition in Indian culture. Elders often say that applying kajal makes a child's eyes look bigger and more beautiful, and also protects them from the evil eye. However, with changing times, doctors and health experts have different opinions on this matter. It's crucial to know whether kajal is truly beneficial for children's eyes or whether it can cause harm. Newborns' eyes are especially delicate, so any product should be used with caution. In this article, we'll explore the appropriateness of applying kajal to children's eyes, the myths surrounding it, and what doctors advise. Is it safe to apply kajal to children's eyes? According to doctors and pediatricians, applying kajal to the eyes of newborns and young children is unsafe. Children's eyes are very delicate and developing after birth, so using any foreign substance can be risky. Applying kajal can also interfere with the eyes' natural cleansing process, increasing the risk of infection. Disadvantages of applying kajal to children's eyes: When applying kajal, bacteria can enter the eyes through fingers or the stick. This can lead to problems like conjunctivitis. Children's skin and eyes are extremely sensitive. The ingredients in kajal can cause irritation, redness, and itching. Kajal can accumulate in the corners of the eyes and block the tear ducts, causing watery, sticky, and swollen eyes. Many kajals available in the market may contain lead or other harmful ingredients, which are extremely dangerous for children and can have long-term health consequences. What do doctors say? Do not apply any kind of kajal or cosmetic product in the eyes of the newborn. Use only clean, boiled and cooled water for cleaning the eyes of the child. If you notice watering, redness or swelling in the eyes, immediately contact the pediatrician. Do not adopt any home remedy without doctor's advice. How to take proper care of children's eyes? Gently clean the area around the eyes with a soft and clean cloth. Keep the child away from dust and dirt. Take special care of the cleanliness of the hands. Avoid touching the child's eyes repeatedly.

Will Ranbir's 'Ramayana' be screened at CinemaCon 2026? Photos are going viral online; find out what's the matter

Ranbir Kapoor's film 'Ramayana' will be screened at CinemaCon 2026. According to a video going viral on social media, some footage from the film may be shown at the event. Directed by Nitesh Tiwari and starring - Ranbir Kapoor, 'Ramayana' is currently in the news. Its teaser was recently released. Now, it's being reported that the film will be screened at CinemaCon 2026. The festival will run for three days in Las Vegas. Photos from CinemaCon go viral Ramayana could attract audiences at CinemaCon. It's a big-budget film. Due to its cultural significance and finances in India, it's already garnering attention. The makers are very excited about the exclusive footage. It's been reported that actor Yash, who plays Ravana in the film, and producer Namit Malhotra will be attending CinemaCon together this year. Photos circulating on social media show posters of "Ramayan" at the venue. What is CinemaCon? CinemaCon was started in 2011 and has now become a hub for the entire film industry. Studios, filmmakers, and exhibitors from around the world come together at this event. Exclusive footage from films is screened for audiences worldwide. CinemaCon 2026 will run from April 13th to April 16th. When will the film be released? The first part of "Ramayan" is expected to release on Diwali in 2026, and the second part on Diwali in 2027. Ranbir Kapoor will play Lord Rama, Yash as Ravana, Sai Pallavi as Sita, Sunny Deol as Lord Hanuman, and Ravi Dubey as Laxman.

Priya Kapoor became emotional on her wedding anniversary, remembering her husband Sanjay, writing, "You wanted us to be together for seven lives."

Industrious businessman Sanjay Kapoor and Priya Kapoor have completed nine years of marriage. On this occasion, Priya shared an emotional post on social media remembering her husband Sanjay. Priya Sachdeva's marriage to industrialist Sanjay Kapoor completed nine years today. However, this is their first wedding anniversary after Sanjay's death. On this occasion, Priya shared an emotional post on social media remembering Sanjay. "We will be together for seven lives" - Priya shared a photo from their wedding anniversary. In the photo, she is wearing a golden kurta and traditional Punjabi jewelry. Sanjay is seen in a white kurta-pyjama with a pink turban. Sharing the photo, Priya wrote, "Happy anniversary, J. Last year, on our eighth anniversary, we celebrated with your friends. The atmosphere was joyful and full of laughter." You looked at me and said you wanted us to be together for the next seven lives. I will remember this." Sanjay wrote a romantic note last year. Priya further wrote, "On our seventh anniversary, you wrote me the most beautiful note. The most precious gift. I treasure every word in my heart. I always will. You were not just my husband. You were my soulmate, my refuge, my heartbeat. With you, I found my home. Loving you was the easiest and most beautiful experience of my life. You made even the simplest things magical. If I met you in every life, I would repeat every mistake again." Sanjay's mother had made allegations - It's been almost seven months since Sanjay Kapoor's death. After his death, Sanjay's mother Rani Kapoor filed a civil suit against her daughter-in-law Priya Sachdev Kapoor (Priya Kapoor). In her petition, 80-year-old Rani Kapoor alleges that Priya Kapoor and other family members formed a family trust through which her entire property, family inheritance, and control over key Sona Group companies were illegally usurped. Karisma Kapoor's children have also been made parties to the case.

Did 'Dakait' pass or fail the Monday test? Find out the collections of Mrunal Thakur and Adivi Sesh's action film.

Mrunal Thakur and Adivi Sesh's 'Dakait' was released in theaters on April 10th. It is an action drama film. Today, Monday, marks four days since the film's release. Find out how much 'Dakait' has collected on Monday. 'Dakait's collection so far: Mrunal Thakur and Adivi Sesh starrer 'Dakait: Ek Prem Katha' opened with a box office collection of ?6.55 crore on its first day. Directed by Shenil Dev, 'Dakait' earned ?6.85 crore on its second day and ?6.40 crore on its third day. 'Dakait' has earned a total of ?1.71 crore at the box office so far on Monday, a significant drop from its previous opening day. "Dakait," which released in theaters on April 10, has so far grossed ?21.51 crore at the box office. Star Cast Fees - According to media reports, Mrunal Thakur charged ?2.5 crore for her role in "Dakait." Adivi Sesh, who plays the lead role in the action-packed film, has charged between ?3 crore and ?7 crore. The film's total budget is estimated to be between ?80 crore and ?100 crore. "Dakait" is an action-thriller film. It tells the story of Hari (Adivi Sesh), who is wrongly imprisoned because of his ex-girlfriend Saraswati (Mrunal Thakur). He then escapes from prison and plans a heist. "Dakait" is directed by Shaneel Dev. The film stars Adivi Sesh, Mrunal Thakur, and Anurag Kashyap. Apart from these, Jain Marie Khan, Kamakshi Bhaskarla, Prakash Raj, South actor Sunil and Atul Kulkarni are in supporting roles in the film. Collection of 'Dhurandhar The Revenge' - 'Dhurandhar 2', which was released in theatres on 19th March, has collected Rs 3.80 crore on Monday, the 26th day. This Ranveer Singh starrer has earned a total of Rs 1,087.47 crore at the box office so far. Mrinal Thakur and Adivi Sesh starrer 'Dakait' is currently running in theatres. Know how much this film has collected on the fourth day today, Monday.